मध्यप्रदेश राजपत्र
(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 259] भोपाल, गुजरात, दिनांक 3 मई 2018—वैशाख 13, शक 1940

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 3 मई 2018

क्र. 7555-132-इक्कीस-अ(प्रा. )—भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के अधीन मध्यप्रदेश के राज्यपाल द्वारा प्रकाशित किया गया निम्नलिखित अध्यादेश सर्वसाधारण की जानकारी हेतु प्रकाशित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश यादव, अतिरिक्त सचिव.
मध्यप्रदेश अध्यादेश
कः वन २०१८

मध्यप्रदेश नगरपालिका विधि (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, २०१८

["मध्यप्रदेश राज्य (अन्वयन)" में दिनांक २ मई, २०१८ को प्रथम स्तर प्रकाशित किया गया।]

भारत गणराज्य के उनहारी वर्ष में राज्यपाल द्वारा प्रकाशित किया गया।

मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम अधिनियम, १९५६ तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, १९६१ को और संशोधित करने हेतु अध्यादेश।

यथा; राज्य के विधान-मंडल का सत्र चालू नहीं है और मध्यप्रदेश के राज्यपाल का यह समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियों में विधान है, जिनके कारण वह आवश्यक हो गया है कि वे तुरंत कार्रवाई करें;

अतः, भारत के संविधान के अनुसार २१३ के खंड (२) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, मध्यप्रदेश के राज्यपाल निम्नलिखित आध्यादेश प्रकाशित करते हैं:

संख्या १.
इस अध्यादेश का संख्या नाम मध्यप्रदेश नगरपालिका विधि (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, २०१८ है।

संख्या २.
इस अध्यादेश के प्रवर्तित रहने की कार्यवाही के दौरान, मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम अधिनियम, १९५६ (क्रमांक २३ सन १९५६) तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, १९६१ (क्रमांक ३७ सन १९६१) धारा ३ और ४ में विनिर्दिष्ट संशोधनों के अध्यन रहते हुए प्रभावी होगी।

भाग-एक

मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम अधिनियम, १९५६ (क्रमांक २३ सन १९५६) का संशोधन

संख्या ३.
मध्यप्रदेश नगरपालिका निगम अधिनियम, १९५६ (क्रमांक २३ सन १९५६) में,

(१) धारा ५ में,—
(एक) खंड (२) के पश्चात, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्—

"(१-क) "मनोरंजन" से अभिलेख हैं किसी मनोरंजन आर्केड या मनोरंजन पार्क या धीम पार्क या चाहें वह किसी भी नाम से जाना जाता हो, में उपलब्ध कराया गया कोई मनोरंजन जबकि वह किसी स्थानीय क्षेत्र में आर्थिक प्रतिफल के लिए उपलब्ध कराया गया हो;");

(दो) खंड (२२-क) के पश्चात, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्—

"(२२-ख) "मापेंजर" में सामूहिक है निम्नलिखित जबकि वह किसी स्थानीय क्षेत्र में नकद में या किसी अन्य रीति में आर्थिक प्रतिफल के लिए उपलब्ध कराया गया हो तथा चाहें वह अधिनियम, किसी में या किसी अन्य रीति में प्राप्त किया गया हो—

(एक) कोई प्रदर्शनी, प्रस्तुति-कार्य, मनोरंजन, खेल या क्रूँडा जिसमें व्यक्तियों को प्रबंध दिया जाता है;
(3) ठीकथाएँ सेवा प्रदान द्वारा सेटेलाइट के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मनोरंजन;
(4) केबल ऑप्टिकल द्वारा केबल सेवा के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मनोरंजन;
(5) किसी दूरसंचार सेवा प्रदाता द्वारा दूर संचार सेवा के माध्यम से उपलब्ध कराए गए सिग्नेचर, संगीत, वीडियो, चलचित्र, एनीमेशन, खेल, जोक्स आदि;
(6) दूरसंचार सेवा प्रदाता या किसी व्यक्ति द्वारा दूरसंचार सेवाओं के माध्यम से आवश्यक प्रतिबिंबित किए जाएँ;
(7) किसी अन्य तकनीकी साधन या उपकरण के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मनोरंजन के प्रवर्तन के लिए ही ऐसी सेवाएँ उस स्थानीय क्षेत्र के भीतर उपलब्ध कराई गई समझी जाएँगी।”

(2) भाग 132 में—

(1) उपभाषार (1) में, खण्ड (च) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात्—

“(च) किसी नगरपालिका निगम क्षेत्र में किसी व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराए गए मनोरंजन एवं मनोविनोद पर कर।”

(3) उपभाषा (२) को विलोपित किया जाए;
(4) उपभाषा (३) के भाषण पर, निम्नलिखित उपभाषा स्थापित की जाए, अर्थात्—

“(३) उपभाषा (१) के खण्ड (च) में विनिर्देश कर के निर्धारण और संधारण की रीति तथा कर को राशि ऐसी होगी जैसी कि विलित को जाए।”

भाग—दो

मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, १९६१ (क्रमांक ३७ सन्् १९६१) का संशोधन

४. मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, १९६१ (क्रमांक ३७ सन्् १९६१) में—

(१) भाग ३ में—

(१) खण्ड (२) को खण्ड (२—क) के रूप में पुनर्अभिलेखित किया जाए और इस प्रकार पुनर्अभिलेखित किए गए खण्ड (२—क) के पूर्व, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्—

“(२) "मनोविनोद" से अस्पष्ट है किसी मनोविनोद आक्रेड या मनोविनोद पाक्ष या थोपी पाक्ष या चाहिए वह किसी भी नाम से जाना जाता हो, में उपलब्ध कराया गया कोई मनोविनोद जबकि वह किसी स्थानीय क्षेत्र में आयुक्त प्रतिफल के लिए उपलब्ध कराया गया हो।”

(२) खण्ड (२०—ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्—

“(२०—ग) "मनोरंजन" में सम्मिलित है निम्नलिखित जब कि वह किसी स्थानीय क्षेत्र में नकद में या किसी अन्य रीति में आयुक्त प्रतिफल के लिए उपलब्ध कराया गया हो तथा चाहिए वह आयुक्त, किसी में या किसी अन्य रीति में प्राप्त किया गया हो—

(१) कोई प्रदर्शनी, प्रस्तुतीकरण, मनोविनोद, खेल या जीड़ा जिसमें व्यक्तियों को प्रवेश दिया जाता है;
(२०) डीटीई सेवा प्रदान द्वारा सेटेलाइट के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मंजूरी हो;
(२१) केबल ऑपरेटर द्वारा केबल सेवा के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मंजूरी हो;
(२२) किसी दूरसंचार सेवा प्रदान द्वारा दूर संचार सेवा के माध्यम से उपलब्ध कराए गए रिपोर्ट, संगीत, म्योड्यू, चलचित्र, एनीमेशन, खेल, जोक्स आदि;
(२३) दूरसंचार सेवा प्रदान या किसी व्यक्ति द्वारा दूरसंचार सेवाओं के माध्यम से आयोजित व्यवसायी विभिन्न;
(२४) किसी अन्य तकनीकी साधन या उपकरण के माध्यम से उपलब्ध कराया गया मंजूरी हो।
स्थानीयकरण,—मध्यप्रदेश के किसी स्थानीय क्षेत्र में स्थित किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त की गई सूची, उस स्थानीय क्षेत्र के भोपाल उपलब्ध कराई गई समझी जाएगी।"

(२) धारा १११७ में,—
(एक) उपधारा (१) में, खण्ड (३) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात्—
"(३) किसी नगरपालिका क्षेत्र में किसी व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराए गए मंजूरी एवं मंजूरीपात
कर कर।"
(तीन) उपधारा (२) को विलोपित किया जाए;
(फौ) उपधारा (३) के स्थान पर, निम्नलिखित उपधारा स्थापित किया जाए, अर्थात्—
"(३) उपधारा (१) के खण्ड (३) में विनिर्दिष्ट कर के निर्धारण और सारण की रीति तथा कर की राशि
ऐसी होगी जैसी कि विषय को जाए।"

भोपाल:
तारीख २ मई, २०१८।

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल,
मध्यप्रदेश।

भोपाल, दिनांक ३ मई, २०१८

क्र. ७५५५–१३२–डकॉस–अ(प्रा.).—भारत के संविधान के अनुसार ३४८ के खण्ड (३) के अनुसार में, मध्यप्रदेश नगरपालिका
विभि (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, २०१८ (क्रमांक ७ सन् २०१८) का अंश में अनुवाद राज्यपाल के प्रभारित से एवं
प्रस्तावित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशधारक,
राजेश यादव, अतिरिक्त सचिव।
MADHYA PRADESH ORDINANCE
No. 7 of 2018

THE MADHYA PRADESH NAGARPALIK VIDHI (DWITIYA SANSHODHAN) ADHYADESH, 2018

[First published in the “Madhya Pradesh Gazette (Extra-ordinary)”, dated the 3rd May, 2018.]

Promulgated by the Governor in the sixty-ninth year of the Republic of India.


WHEREAS, the State Legislature is not in session and the Governor of Madhya Pradesh is satisfied that circumstances exist which render it necessary for her to take immediate action;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (1) of article 213 of the Constitution of India, the Governor of Madhya Pradesh is pleased to promulgate the following Ordinance:

1. This Ordinance may be called the Madhya Pradesh Nagarpalik Vidhi (Dwitiya Sanshodhan) Adhyadesh, 2018.

2. During the period of operation of this Ordinance, the Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1956) and the Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) shall have effect subject to the amendments specified in Sections 3 and 4.

PART-I

AMENDMENT TO THE MADHYA PRADESH MUNICIPAL CORPORATION ACT,
1956 (No. 23 of 1956)

3. In the Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1956), —

(i) In section 5,—

“(1-a) "amusement" means any amusement provided in any amusement arcade or amusement park or theme park or by whatever name called, when provided in a local area for monetary consideration;”;

(ii) after clause (22-a), the following clause shall be inserted, namely:

“(22-b) “entertainment” includes the following when provided in a local area for monetary consideration in cash or in any other manner, and whether received in advance, in instalments or in any other manner:—

(i) any exhibition, performance, amusement, game or sport to which persons are admitted;

(ii) entertainment provided by a direct to home, (DTH) service provider through satellite;

(iii) entertainment provided by a cable operator through cable service;

(iv) ring tones, music, videos, movies, animations, games, jokes, etc. provided by a telecom service provider through telecom service;
(v) contests organised through telecom services by the telecom service provider or any person;

(vi) entertainment provided by any other technological means or device;

Explanation.—Services received by a person situated in a local area of Madhya Pradesh shall be deemed to have been provided within that local area;”.

(2) In section 132,—

(i) in sub-section (1), for clause (f), the following clause shall be substituted namely:—

“(f) a tax on entertainments and amusements provided by any person into a municipal corporation area.”;

(ii) sub-section (2) shall be deleted;

(iii) for sub-section (3), the following sub-section shall be substituted, namely:—

“(3) The mode of assessment and collection and amount of the tax specified in clause (f) of sub-section (1) shall be such as may be prescribed.”.

PART-II

AMENDMENT TO THE MADHYA PRADESH MUNICIPALITIES ACT, 1961
(No. 37 of 1961)

4. In the Madhya Pradesh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961),—

(1) In section 3,—

(i) clause (1) shall be renumbered as clause (1-a) and before clause (1-a) as so renumbered, the following clause shall be inserted, namely:—

“(1) “amusement” means any amusement provided in any amusement arcade or amusement park or theme park or by whatever name called, when provided in a local area for monetary consideration”;

(ii) after clause (10-b), the following clause shall be inserted, namely:—

“(10-c) “entertainment” includes the following when provided in a local area for monetary consideration in cash or in any other manner, and whether received in advance, in instalments or in any other manner:

(i) any exhibition, performance, amusement, game or sport to which persons are admitted;

(ii) entertainment provided by a direct to home (DTH) service provider through satellite;

(iii) entertainment provided by a cable operator through cable service;

(iv) ring tones, music, videos, movies, animations, games, jokes, etc. provided by a telecom service provider through telecom service;

(v) contests organised through telecom services by the telecom service provider or any person;

(vi) entertainment provided by any other technological means or device.

Explanation.—Services received by a person situated in a local area of Madhya Pradesh shall be deemed to have been provided within that local area;”.
(2) In section 127,—

(i) in sub-section (1), for clause (f), the following clause shall be substituted namely:—

“(f) a tax on entertainments and amusements provided by any person into a municipal area.”;

(ii) sub-section (2) shall be deleted;

(iii) for sub-section (3), the following sub-section shall be substituted, namely:—

“(3) The mode of assessment and collection and amount of the tax specified in clause (f) of sub-section (1) shall be such as may be prescribed.”.

BHIPAL:

ANANDIBEN PATEL
Governor,
Madhya Pradesh.